

क्रमांक 124-ज(I)-76/11424.—श्री भगवान सिंह, पुत्र श्री किशन सहाय, गांव पुनसीका, तहसील रिवाड़ी, जिला मुहेंगावां (अब महेन्द्रगढ़) को दिनांक 23 सितम्बर, 1967 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3 (1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये सहर्ष आदेश देते हैं कि श्री भगवान सिंह को मबिलग 100 रुपये वार्षिक की जागीर जो, उसे पंजाब सरकार की अधिसूचना क्रमांक 8499-जे-एन-III 66/10415, दिनांक 6 जून, 1966 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती समाकौर के नाम रबी 1968 से 100 रुपये वार्षिक तथा हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 5041-प्रार III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 के अनुसार खरीफ 1970 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

क्रमांक 585-ज(1)-76/11428.—हरियाणा सरकार राजस्व विभाग क्रोरीजैन्डम क्रमांक 3085-ज(1)-75/1574, दिनांक 16 जनवरी, 1976 जो को हरियाणा के राजपत्र दिनांक 27 जनवरी, 1976 में प्रकाशित हुआ था की पहली लाईन के अन्त में "1915" की बजाए "1935" पढ़ा जाए।

क्रमांक 425-ज(I)-76/11434.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री भूर सिंह, पुत्र श्री राम लाल सिंह, गांव मान्डीर, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को रबी, 1967 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 408-ज(I)-76/11440.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के सामने दी गई फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	नारनौल	श्री मंगल सिंह, पुत्र श्री जय करण	मनीठी	रिवाड़ी	रबी 1967 से रबी 1970 तक	रुपये 100
2	नारनौल	श्री दया नन्द, पुत्र श्री सियालू सिंह	लौहाना	रिवाड़ी	खरीफ 1970 से खरीफ 1973 से	150 150

क्रमांक 478 ज(I)-76/11444.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के सामने दी गई फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	हिसार	श्री शंकर लाल, पुत्र श्री बगरावत	सदलपुर	हिसार	खरीफ 1965 से रबी 1970 तक	रुपये 100
2	हिसार	श्री गोपी राम, पुत्र श्री पत राम	मुकलान	हिसार	खरीफ 1970 से रबी 1973 से	150 150